

Press Report Of Various Newspaper on Organ Donation Activities



Cadaver Organ Donor Rameshbhai G. Dhorajiya

Brain dead man's heart transplanted; organs to save 6 lives



Rameshbhai G. Dhorajiya, 50, who died in March, stood as an organ donor. All his organs are to be donated to six patients in the hospital.

Tina Nair Vernekar
BRAIN-DEAD people will get new lives as 60% of their organs are donated. Rameshbhai, 50-year-old, has volunteered to donate all his organs to six patients in the hospital. He died in March. His organs were donated to six patients in the hospital. He died on September 26. He was declared brain dead because his heart stopped beating and he was pronounced dead on September 26. He had suffered a stroke in 2010. His wife, Mrs. Dhorajiya, said she was surprised to hear that her husband had volunteered to donate his organs. She said she was surprised to hear that her husband had volunteered to donate his organs. She said she was surprised to hear that her husband had volunteered to donate his organs.

He had volunteered to donate his organs to six patients in the hospital. He died on September 26. He was declared brain dead because his heart stopped beating and he was pronounced dead on September 26. He had suffered a stroke in 2010. His wife, Mrs. Dhorajiya, said she was surprised to hear that her husband had volunteered to donate his organs. She said she was surprised to hear that her husband had volunteered to donate his organs.

अंगदान

चक्कर आने से बेहोश हुए रमेश भाई को डॉक्टरों ने किचा या ब्रेनडेड घोषित, परिवारों ने लिया हृदय, किडनी, लीवर, आँहों दान करने का फैसला

सूरत के रमेश भाई का हृदय धड़केगा मुंबई के मोइनूदीन में

हरमिंदर/सूरत

269 किमी की दूरी 107 मिनट में तब कर मुंबई ले जाया गया हृदय, सूरत से जाय तथा 16 हृदय दान

सूरत से ऐसे मुंबई पहुंचा दिल

हृदय रोग के कि सूरत निवासी ब्रैण्डेड रमेश का हृदय मुंबई के जाने वाले मोइनूदीन को लाया गया। सूरत के सिखा डॉस्पिटल से 269 किमी की दूरी 107 मिनट में तब करके हृदय को मुंबई के लोकोल डॉस्पिटल पहुंचा गया। सूरत के बरसा रोड सिमड़ा गांव निवासी 53 वरिष्ठ रमेश भाई चक्कर आने से बेहोश होकर अचानक बेहोश हो गए। हृदय के रोग उन्हें क्लिया डॉस्पिटल ले जाया गया। मिर्ठी खैन कर्म के बाद सुशो मर्कन डॉक्टर भीमिक ठाकुर ने बताया कि उन्हें केत डैंगर से गुजर रहे हैं। वे तीन बजे 26 सितंबर को डॉक्टर भीमिक ठाकुर और नर्स सिनिधिशन डॉक्टर कुलदा नाथ ने रमेश भाई को ब्रेनडेड घोषित किया।



फैमिली के साथ रमेश भाई को अंतिम विदाई दी।

रमेश भाई को ब्रेनडेड घोषित करने के बाद अस्पताल से डॉक्टर लक्ष्मण नाथ को इजाजत मिल गई। रमेश भाई को ब्रेनडेड घोषित करने के लिए फैसला किया गया। उनके कर्तव्य से अस्पताल निवासी डॉक्टर अरुण के डॉक्टर प्रमोद लोदी, अस्पताल के किन्स और सॉफ्ट अस्पताल से ले जाई किया गया, लेकिन हृदय लेने का कोई लक्ष्य नहीं था। इसके बाद रमेश की मर्द से मुंबई के लोकोल अस्पताल से अंगों को विलीन किया।

1:00 बजे किन्स अस्पताल में रमेश का हृदय सूरत पहुंचाई मुंबई 2:05 बजे मुंबई के लिए रमेश का हृदय मुंबई एयरपोर्ट पहुंचा 3:25 बजे अंगदान अस्पताल पहुंचा 3:25 बजे अंगदान अस्पताल सूरत से जाय तथा 16 हृदय दान सूरत से अंगदान 16 हृदय दान से पहुंचे हैं। इसके अंगदान 224 किडनी, 83 लीवर, 6 लीवर, 156 लीवर का भी किए गए हैं। इससे 620 लोगों को नया जीवन मिले है। किडनी, लीवर, अंगदान का भी किया दान अंगदान के अंगदान, लीवर अंगदान के अंगदान अंगदान को दिए गए, ताकि अंग दान के लिए एक को ज्ञान कर रहे हैं।

एक महीने से हृदय को अंगदान में थे मोइनूदीन

मुंबई के डॉक्टर किडी 48 वरिष्ठ मोइनूदीन को लोकोल अस्पताल में ही किडी एंजियल से डॉक्टरों को अंगदान मोइनूदीन का हृदय सूरत से 16 लोगों को दान कर रहा था। अस्पताल के डॉक्टर लक्ष्मण नाथ डॉक्टर लोकोल से ही मोइनूदीन को दिल की किडनी थी। एक लक्ष्मण से अंगदान अंगदान में अंगदान दान कर रहा था। उन्हें हृदय अंगदान की अंगदान की अंगदान से उन्हें दान लेना था।



दिन विशेष

रमेशभाई घोरजिया बाथरूम में पड़ने से बेसुध हुए थे

विश्व हृदय दिन पर सूरत से 16वें हृदय का दान

संवाददाता, सूरत

हृदय रोग की बीमारी के कारण करोड़ों लोगों को पीता होती है। ऐसे में विविध देश और शहर में जागरूकता लाने का प्रयास के बीच सूरत शहर विश्व हृदय दिन प्राचीन समाज के अंगदान का हृदय मुंबई के अंगदान में जाने वाले एक व्यक्ति में ट्रांसप्लान्ट करने शहर में 16 वां हृदय दान के साथी बने है। सूरत अंगदान जिले के लिलिया नरसोत के डॉक्टर गांन जिनासो रमेशभाई गोवर्धन घोरजिया (53) सूरत में जनशुद्धि टाउनशिप, सीमाका गांन में दो पुत्रों सहित परिवार के साथ रहे थे। इस दौरान 26 को सुबह कार्यक्रम में चक्कर आने से गिर गए थे। बेसुध शहर में उन्हें



निजी अस्पताल में उपचार के लिए यहीं कल्याण गया। यहाँ 28 को चिकित्सक ने

उन्हें ब्रेनडेड घोषित किया था। अस्पताल के डॉक्टर ने डॉक्टर लक्ष्मण को सूचित करने

पर संस्था की टीम आकर रमेशभाई के परिवारवालों को अंगदान के बारे में समझाया। जिससे परिवार भी राजी होकर हृदय, किडनी, लीवर और चक्षुओं का दान किया गया।

दान में मिले हृदय अंगदान, मुंबई में अंगदान और ईन्फो चलाक के जीए पर काम करने वाले मोइनूदीन श्रेष्ठ (42) में ट्रांसप्लान्ट किया गया। यहाँ देर राति लीवर, किडनी ट्रांसप्लान्ट के लिए अंगदान अंगदान में लाया किया जाएगा। ट्रांसप्लान्ट है कि सूरत से रात 22 बजे में हृदय ट्रांसप्लान्ट और ट्रांसप्लान्ट करने का रोलहॉबी बटन है। जिसमें 12 हृदय मुंबई, 1 हृदय नेमई, दो हृदय अंगदान और 1 हृदय अंगदान से रहे हैं।



सूरत के रत्नकलाकार का दिल मुंबई के टैक्सी ड्राइवर में ट्रांसप्लांट



लोकतेज खंवारराता

सूरत। विश्व हृदय दिवस के अवसर पर शहर के सोमाडा गाम व्रतभूमि टाऊनशिप में रहनेवाले ब्रेनडेड पाटीदार युवा का हृदय मुंबई के टैक्सी चालक में ट्रांसप्लांट किया गया। कतारगाम स्थित सनराइन डायमंड में रत्नकलाकार के तौर पर

काम करनेवाले 53 वर्षीय रमेशभाई गोवरभाई धोराविया को 26 सितंबर को किडनी में लघुशंका के लिए गए थे तभी अचानक चक्कर और उल्टी आयी।

उन्हें चिकित्सा के लिए किरण अस्पताल में भर्ती किया गया। जांच के दौरान ब्रेन हेमरेज होने का पता चला। न्यूरोफिजिशियन को जांच के

बाद रमेशभाई को ब्रेन डेड घोषित किया जिससे परिवार के सदस्यों को अंगदान की जानकारी दी गयी। परिवार के सदस्यों की मंजूरी से डोनेट लाइफ संस्था ने सूरत के किरण अस्पताल से 269 किलोग्राम दूर मुंबई के स्लोबल अस्पताल में 107 मिनट के दौरान हार्ट पहुंचाया। मुंबई अंधेरी के निवासी तथा टैक्सी चालक मोहनराज शिख उम्र 42 में हार्ट ट्रांसप्लांट किया गया। इसके अलावा किडनी, लीवर, पथु एवं अंति का दान देकर 6 लोगों को नया जीवन दिया गया। डोनेट लाइफ संस्था ब्रेन डेड लोगों के परिवारों की अनुमति से सूरत से अब तक 16 हृदयों को सफल ट्रांसप्लांट किया गया।



पाटीदार समाज के ब्रेन डेड व्यक्ति का दिल मुंबई के मरीज में प्रत्यारोपित..

वर्ल्ड हार्ट डे पर सूरत से 16वां हृदय दान

पत्रिका न्यूज़ केबर्क

patrika.com

सूरत, वर्ल्ड हार्ट डे पर शुक्रवार को सूरत से खेलाहवां हृदय दान किया गया। इसे मुम्बई के स्लोबल अस्पताल में पांच साल से हार्ट की बीमारी से पीड़ित मरीज में ट्रांसप्लांट किया गया। सूरत से मुम्बई की 269 किमी की पूरी दूरी में ब्रेन कार्टिशोर के जाँच सिर्फ 107 मिनट में तय की।

ज्यादा शिमाडा वॉच में युवाभूमि टाऊनशिप सेक्टर-2 निवासी रमेश गोवर धोराविया (53) कतारगाम सनराइन

22 महीने में 16 हृदय दान

अब तक डोनेट लाइफ ने 224 किडनी, 89 लीवर, 97 फेन्कोयज, 16 हृदय, 188 चषुओं के दान से 520 जनों को नया जीवन दिया है। पिछले 22 महीने में सूरत से 16 हृदय दान किए गए। इनमें चालू हृदय मुम्बई, एक चेन्नई, दो अहमदाबाद और एक इंदौर भेजे गए थे।

डायमंड किडनी में कार्य करता था। 26 सितंबर को सुबह लघुशंका के दौरान वह चक्कर आने से गिर पड़ा। उसे चक्कर के किरण अस्पताल से जाया गया। खैरी स्कैन में ब्रेन हेमरेज की पुष्टि हुई। न्यूरे सर्जन डॉ. भीमिक ठाकोर और न्यूरे फिजिशियन डॉ. कुजाल नाव ने 28 सितंबर को उसे ब्रेन डेड घोषित कर दिया। डोनेट लाइफ प्रमुख निवेश मोडलेकाल ने रमेश के पुत्र पुर्विक, रवि, भाई हिममत,

बालू, नंदेश तथा परिवार के अन्य सदस्यों को अंगदान की जानकारी दी। सहमती मिलने पर आइडिटीआरसी को टीम को किडनी और लीवर का दान स्वीकारने के लिए सूरत भेजा गया। हृदय दान के लिए अहमदाबाद के विमल और स्थलिंग अस्पताल से सम्पर्क किया गया, लेकिन यहां कोई मरीज नहीं होने के कारण आर.ए.टी.डी.ओ की डॉ. सुजाता पटवर्धन से सम्पर्क किया

दिल का सफर

बोपहर 1.30 बजे : चिकित्सकों की टीम किरण अस्पताल से हृदय दान स्वीकार कर एयरपोर्ट स्थान हुई।

बोपहर 1.50 बजे : चिकित्सकों की टीम सूरत एयरपोर्ट पहुंची।

बोपहर 2.05 बजे : सूरत एयरपोर्ट से चार्टर प्लेन में डॉक्टर हृदय लेकर मुम्बई रवाना।

बोपहर 2.58 बजे : टीम मुम्बई एयरपोर्ट पहुंची।

बोपहर 3.07 बजे : टीम मुम्बई एयरपोर्ट से स्लोबल अस्पताल रवाना।

बोपहर 3.25 बजे : चिकित्सकों की टीम ने मोहनराज को हार्ट ट्रांसप्लांट शुरू किया।

गया। उन्होंने मुम्बई के स्लोबल अस्पताल में हृदय दान के लिए कहा। स्लोबल अस्पताल के डॉ. अजय शिख सूरत पहुंचे और हृदय दान स्वीकार किया। चषुओं का दान लोकदृष्टि चषुबैंक के डॉ.

प्रमिल शिरोपा ने स्वीकार किया। हृदय का ट्रांसप्लांट मुम्बई अंधेरी निवासी मोहनराज शिख (42) में किया गया। वह ड्राइवर है और वर्ष 2012 से उसे हृदय की तकलीफ थी।

6 વ્યક્તિઓને નવજીવન આપી માનવતા મહેંકાવી

સુરતના પાટીદારનું હૃદય મુંબઈના મુસ્લિમ ટેક્સી ડ્રાઈવરમાં ધબકવા માંડ્યું

હેલ્થરિપોર્ટર | સુરત

વર્લ્ડ હાર્ટ ડે ના દિવસે કતારગામના બ્રેન ડેડ પાટીદાર રત્નકલાકાર રમેશભાઈ ધોરાજીયાના હૃદય, કિડની, લિવર અને ચક્ષુઓનું દાન કરીને 6 વ્યક્તિઓને નવજીવન આપી તેમના પરિવારે માનવતા મહેંકાવી હતી. સુરતથી 269 કિ.મી.નું અંતર 107 મિનિટમાં કાપીને તેમના હૃદયનું ટ્રાન્સફર અને ટ્રાન્સપ્લાન્ટ અંબેરી મુંબઈના ટેક્સી-ડ્રાઈવરમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું હતું.

વરાછા રોડ સીમાડાગામ વ્રજભૂમિ ટાઉનશિપ ખાતે રહેતા રમેશભાઈ ગોબરભાઈ ધોરાજીયા કતારગામ ખાતે આવેલી ફેક્ટરીમાં રત્નકલાકાર તરીકે નોકરી કરતા હતા. ગઈ તા. 26 સપ્ટેમ્બરના રોજ રમેશભાઈ ફેક્ટરીમાં કામ કરતી વખતે બાથરૂમમાં ગયા હતા, જ્યાં તેમને ચક્કર આવ્યા બાદ બેભાન થઈ ગયા હતા. જેથી તેમને તાત્કાલિક કતારગામ કિરણ હોસ્પિટલમાં દાખલ કરાયા હતા. જ્યાં તેમને બ્રેન હેમરેજનું નિદાન થયું હતું. તા. 28 સપ્ટેમ્બરે તેમને તબીબે બ્રેનડેડ જાહેર કર્યા હતા. હોસ્પિટલના ડો.સ્નેહલ દુગરાણીએ ડોનેટ લાઈફના પ્રમુખ

ઘટનાક્રમ

- બપોરે 1:30 કલાકે હૃદયનું દાન સ્વીકારી ગ્લોબલ હોસ્પિટલની ટીમ એરપોર્ટ જવા રવાના
- બપોરે 1:50 સુરત એરપોર્ટ પહોંચ્યા
- બપોરે 2:05 સુરત એરપોર્ટથી ચાર્ટર ફ્લાઈટમાં મુંબઈ રવાના
- બપોરે 2:58 ગ્લોબલ હોસ્પિટલની ટીમ મુંબઈ એરપોર્ટ પહોંચી
- બપોરે 3:07 ટીમ મુંબઈ એરપોર્ટથી ગ્લોબલ હોસ્પિટલ જવા રવાના
- બપોરે 3:25 ગ્લોબલ હોસ્પિટલમાં ઓપરેશન થિયેટરમાં દાખલ થયા અને અને ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું

નિલેશ માંડલેવાલાનો સંપર્ક કરી રમેશભાઈ બ્રેનડેડ થયાની માહિતી આપી હતી. પરિવારજનો ઓર્ગન ડોનેશન માટે તૈયાર થતાં મુંબઈની હોસ્પિટલના ડો.અમજદ શેખ અને તેમની ટીમે સુરત આવી હૃદયનું દાન સ્વીકાર્યું હતું અને ગ્રીન કોરિડોરની મદદથી સુરતથી 269 કિ.મી. નું અંતર 107 મિનિટમાં કાપીને મુંબઈના ટેક્સી-ડ્રાઈવર મોઈનુદીન શેખમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું હતું.

ડોનેટ

પાટીદાર આધેડનું હૃદય કરાયું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ

વિશ્વ હૃદય દિને સુરતમાંથી ૧૬મા હૃદયનું દાન

રમેશભાઈ ધોરાજીયા
બાલરૂમમાં પડી જતાં
બેભાન થયાં હતાં

સુરત.વા.૨૯

હૃદય રોગની બીમારીઓને કારણે કરોડો ગોઠાં મોતને મટે છે. ત્યારે વિવિધ કોલો અને શહેરમાં જાગૃતિ લાવવાના પ્રયાસો તરફે સુરત શહેર વિષય હૃદય દિવસે પાટીદાર સમાજના તમામકનું હૃદય મુંબઈના અંધેરી ખાતે રહેતાં એક વ્યક્તિમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરીને શહેરમાં ૧૬માં હૃદયદાનનું શ્રેયી મળ્યું છે.

મૂળ અમરેલી જિલ્લાના હરીપરના તાલુકાના હરીપર ગામના વૃત્તની રમેશભાઈ ધોરાજીયા (૬૧, ૫૩) સુરતમાં વ્રજભૂમિ



ટાઉનશીપ, સીમાડાવાળા એ પુત્રો સહિતના પરિવાર સાથે રહેતાં હતાં. હૃદયિયના રોગોએ સત્તારે બાલરૂમમાં ચક્કર આવતાં પડી જયાં હતાં. બેભાનપરથમાં સારવાર માટે ખાલગી

હોસ્પિટલમાં ગઈ જયામાં હતા. જ્યાં ૨૮મીને દરજ્જ પરના તબીબે તેમણે બ્રેનડેડ જાહેર કર્યાં હતાં. હોસ્પિટલના તબીબે ટ્રેનેડ ઘાઈલને જાણ કરતાં સંસ્થાની ટીમે આવી રમેશભાઈના

પરિજનોને અંગદાન માટે સમજાવતાં પરિવારની સહમતિથી હૃદય, કિડની, સિયર અને ચલુઓનું દાન કરવામાં આવ્યું હતું.

દાનના મરેલુ હૃદય અંધેરી, મુંબઈમાં વસતાં અને ટેકસી ડ્રાઇવર તરીકે કામ કરતાં મોઈનુદીન શેખ(ઉ.વ.૪૨)માં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવામાં આવ્યું હતું. જ્યારે મોટી રાત્રે સિયર, કિડની ટ્રાન્સપ્લાન્ટ માટે અમદાવાદ હોસ્પિટલમાં રવાના કરવામાં આવશે.

અને નોંધપત્રીય છે કે, સુરત ખાતેથી ઉલ્લાં ૨૨ મહિનામાં સુરતમાંથી હૃદય ટ્રાન્સપ્લાન્ટ અને ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવાનો આ સોળમો પ્રતાવ છે. જેમાંથી ૧૨ હૃદય મુંબઈ, ૧ હૃદય વૈશાઈ, એ હૃદય અમદાવાદ અને ૧ હૃદય ઉંદોર મોકલવામાં આવ્યું છે.



‘વર્લ્ડ હાર્ટ ડે’ નાં દિવસે

સુરતનાં આધેડના હૃદયદાનથી અંધેરીના આધેડનાં જીવનમાં અજવાળાનો ઉદય

(પ્રતિનિધિ દ્વારા) સુરત, શુક્રવાર | પુવાનને નવી જાંઠગી મળી હતી. તેમના અન્ય અંગદાનથી દ વ્યક્તિઓને નવજીવન મળ્યું છે.

રત્નકલાકાર રમેશભાઈ ગોબરભાઈ ધોરાજીયાનાં અંગદાનથી દ ને નવજીવન મળ્યું : સુરતમાંથી અત્યાર સુધીમાં ૧૬ હૃદયદાન

મૂળ અમરેલીના મોટાલીલીયા હરીપરના વૃત્તની અને હાલ વરાછા રોડ સીમાડા ગામ ખાતે વ્રજભૂમિ ટાઉનશીપમાં રહેતા રત્નકલાકાર રમેશભાઈ ગોબરભાઈ ધોરાજીયા ગઈ તા. ૨૬ મીને કતારગામમાં હીરાના કારખાનામાં કામ કરતા હતા. ત્યારે લપુશંકર માટે બાલરૂમમાં ગયા અને ત્યાં ચક્કર અને ઉલ્ટી બાદ તે બેભાન થઈ ગયા હતા. ગઈકાલે ખાનગી હોસ્પિટલના તબીબે તેમને બ્રેનડેડ જાહેર કર્યાં બાદ ટ્રેનેડ લાઈફ સંસ્થા દ્વારા તેમના પરિવારે અંગદાન અંગે સમજાવતા તેઓ સંમત



થયા હતા. ત્યારબાદ અમદાવાદની હોસ્પિટલના તબીબો સુરત આવી કિડની, સિયર દાનનું સ્વીકાર્યું. બાદ ચલુદાન લોકલિયે બેન્કે સ્વીકાર્યું હતું. જ્યારે તેમનું હૃદય મુંબઈની હોસ્પિટલના તબીબે સુરત આવીને સ્વીકાર્યું હતું. સુરતની

હોસ્પિટલથી મુંબઈની હોસ્પિટલ સુધી ૨૬૯ કિ.મી. અંતર ૧૦૭ મીનીટમાં કાપીને દાનમાં મેળવવામાં આવેલા હૃદયનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ મુંબઈના અંધેરીમાં રહેતા મોઈનુદીન શેખ (ઉ.વ.૪૨) માં કરવામાં આવ્યું હતું. સુરત અને દક્ષિણ ગુજરાતમાંથી અત્યાર સુધી બ્રેનડેડ વ્યક્તિઓની પરિવારજનો સાથે સમજ આપીને ટ્રેનેડ લાઈફ દ્વારા ૨૨૪ કિ.મી., ૮૯ સિયર, ૬ પેન્ક્રીઆસ, ૧૬ હૃદય અને ૧૮૮ ચલુઓનું દાન મેળવી ૫૨૦ વ્યક્તિઓને નવું જીવન અને નવી રોશની આપી છે.



સુરતનાં બ્રેઈનડેડ આધેડનું હૃદય અંધેરીનાં મુસ્લિમ યુવકમાં ધબકશે

સુરત, તા.૨૯
વરાછા રોડનાં આધેડ
બાથરૂમમાં પડી ગયા બાદ બ્રેઈનડેડ
થયાં હતાં. તેમનાં હૃદયનું દાન
મુંબઈનાં ટેશી ડ્રાઈવર મુસ્લિમ
યુવકને કર્યાં હતો. આ સાથે ડોનેટ
લાઈફ સંસ્થાનાં માધ્યમથી
સુરતમાંથી ૧૬મા હૃદયનું દાન પ્રાપ્ત
થયું હતું.

મુળ અમરેલી જિલ્લાના મોટા
લીલીયા તાલુકાના હરીપર ગામના
અને કતારગામમાં આવેલ
સનરાઈઝ ડાયમંડ કેક્ટરીમાં રત્ન
કલાકાર તરીકે કામ કરતા
રમેશભાઈ ગોબરભાઈ ધોરાજિયા
(ઉ. વ. ૫૭) એ-૪, ૧૦૪,
વ્રજભૂમિ ટાઉનશીપ સેક્ટર-૨,
સીમાડાગામ, વરાછા રોડ પાલે પત્ની
કેશાશબેન, પુત્ર રવિ (ઉ.વ. ૨૩,
વરાછામાં આવેલ વાઈટ ઓરેન્જ
સોફ્ટવેર કંપનીમાં મોબાઈલ
ડેવલોપર) અને પૂર્વિક (ઉ. વ. ૨૫,
અડાજણમાં આવેલ નારોલા
ઈન્ફોટેકમાં સોફ્ટવેર એન્જિનીયર)
સાથે રહેતા હતા. રમેશભાઈ બ્રેઈન
ડેડ થતા તેમના પરિવારે અંગદાન
કરી માનવતા મહેકાવી હતી.

આ અંગેની મળતી વગતો
અનુસાર ૨૬ સપ્ટેમ્બરે રમેશભાઈ
કતારગામમાં આવેલ સનરાઈઝ
ડાયમંડની કેક્ટરીમાં કામ કરી રહ્યા
હતા, ત્યારે સવારે ૧૧:૦૦ કલાકે



બાથરૂમ ગયા બાદ ચકકર અને ઉભી
થતા બેભાન થઈ ગયા હતા. તેમને
તાત્કાલિક કિરણ હોસ્પિટલમાં લઈ
જવાતા નિદાન માટે સિટી સ્કેન
કરાતા બ્રેઈન હેમરેજ હોવાનું નિદાન
થયું હતું. ૨૮મીએ તેમને બ્રેઈન ડેડ
જાહેર કરાયા હતા.

રમેશભાઈની કિડની અને
લિવરનું દાન સ્વીકારી અમદાવાદની
લિવર ટ્રાન્સપ્લાન્ટ સેન્ટરના
ડૉ. વિકાસ પટેલ અને તેમની ટીમે
હૃદયનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ અંધેરી મુંબઈના
રહેવાસી મોઈનુદીન શેખ (ઉ.વ.
૪૨માં સીફ કાર્ડિયાક સર્જન ડૉ.
હમદુલે અને તેમની ટીમ દ્વારા
કરવામાં આવ્યું છે. ટેશી ડ્રાઈવર તરીકે
કામ કરતા મોઈનુદીન શેખ
૨૦૧૨થી હૃદયની તકલીફથી પીડાતા

હતા. તેમને શાસ લેવામાં ખુબ
તકલીફ પડતી હતી તથા તેમને
ચાલવામાં પણ તકલીફ પડતી હતી.
તેના હૃદયની કાર્યક્ષમતા ૧૦% થી
૧૫% જેટલી હતી. છેલ્લા એક
મહિનાથી ગ્લોબલ હોસ્પિટલમાં
તેમનું કોલોનિય ચાલી રહ્યું હતું.
છેલ્લા બે દિવસથી તેઓ
હોસ્પિટલમાં દાખલ હતા

સુરત અને ઇન્ડિયા ગુજરાતમાંથી
અત્યાર સુધી બ્રેનડેડ વ્યક્તિઓના
પરિવારજનો સાથે સમજાશ કેળવી
નીલેશ માંડલેવાલા અને ડોનેટ
લાઈફ દ્વારા ૨૨૪ કિડની, ૮૯
લીવર, ૬ પેન્ક્રીઆસ, ૧૬ હૃદય
અને ૧૮૮ ચક્ષુઓનો દાન મેળવીને
૫૨૦ વ્યક્તિઓને નવું જીવન અને
નવી રોશની બદાવામાં સફળતા મળી
છે.

રમેશ ધોરાજિયા બાથરૂમમાં પડી ગયાં બાદ બ્રેઈનડેડ થયા
હતા : રમેશ ભાઈના કીડની, લીવર અને ચક્ષુનું પણ દાન

વિશ્વ હૃદય દિવસે કતારગામના રત્નકલાકાર આધેડનું હૃદય મુંબઈના યુવકમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું

સુરત: સુરત સહિત સમગ્ર વિશ્વમાં શુક્રવારે વિશ્વ હૃદય દિવસની ઉજવણી કરાઈ છે ત્યારે કતારગામના હીરાના કારખાનામાં બેભાન થયેલા રત્નકલાકારના હૃદય સહિતના અંગોનું દાન પરિવાર દ્વારા કરવામાં આવ્યું હતું. રત્નકલાકારના અંગોના દાનના કારણે નવા છ વ્યક્તિઓના જીવનને નવજીવન મળ્યું છે. રત્નકલાકાર રમેશ ધોરાજીયાનું હૃદય સુરતથી મુંબઈનું રુદ્રલ કિ. મી.નું અંતર ૧૦૭ મીનીટમાં કાપીને મુંબઈના કામજીવી યુવાનમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું છે.

મૂળ અમરેલી જિલ્લાના મોટા હીલીયા તાલુકાના મરીપરા ગામના વતની અને હાલ સીનાણ ગામ રજબુમિ ટાઉનશીપમાં રહેતા ૫૩ વર્ષિય રમેશભાઈ ધોરાજીયા ધોરાજીયા હાલ કતારગામમાં આવેલી સન્સાઈડ ટાપમંડમાં રત્નકલાકાર તરીકે નોકરી કરતા હતા. તેઓ ગત મંગળવારે તેઓને ઘટકર અને ઉછીંચો થઈ હતી અને તેઓ બેભાન થઈ ગયા હતા.

રમેશભાઈને કતારગામની કિરલ હોસ્પિટલમાં સારવાર માટે લઈ જવામાં આવ્યા હતા. જ્યાં બ્રેઈનડેડ હેમરેજ થયું હોવાનું જણાયું હતું. સારવાર કરમિયાન રમેશભાઈને બ્રેઈનડેડ જાહેર કરવામાં આવ્યા હતા.

આ દરમિયાન તાબીબઓએ ડોનેટ લાઈફના પ્રમુખ નીલેશ માંડલેવાલાને બ્રેઈનડેડ રમેશભાઈના એ પુત્રો સહિતના પરિવારજનોએ અંગદાન માટે બહાલી આપતા ડોનેટ લાઈફ દ્વારા બ્રેઈનડેડ રમેશભાઈના શરીરમાંથી હૃદય, કિડની, લિવર અને એ અંગોનું દાન લેવામાં આવ્યું હતું. રમેશ ધોરાજીયાનું હૃદય પરિવારજનો દ્વારા દાનમાં આપવામાં આવ્યું હતું. જેથી ડોનેટ લાઈફ દ્વારા નાટોના નેશા ક્રેડન મુંબઈની ખાનગી હોસ્પિટલમાં સારવાર લઈ રહેલા ટીકી ટ્રાઈવર મોઈનુદિન શેખમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવામાં આવ્યું હતું. રુદ્રલ કિ. મી.નું આ અંતર ૧૦૭ મીનીટમાં કાપીને ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવામાં આવ્યું હતું.

વધુ એક હૃદયદાન: સુરતીઓ 16મું હૃદયદાન કરીને 'દિલદાર' સાબિત થયા

» સુરતના રત્નકલાકારનું હૃદય
મુંબઈના મુસ્લિમ ડ્રાઈવરને
ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું

નવગુજરાત સમય > સુરત

■ ઓર્ગન ડોનેશનમાં સુરતવાસીઓએ 16 જેટલા હૃદય દાનમાં આપીને 'દિલદાર' સાબિત થયા છે. સુરતથી વધુ એક બ્રેઈનડેડ દર્દીનું હૃદય દાન કરાયું હતું. તેને ગ્રીન કોરિડોર ખનાવીને 269 કિલોમીટર દૂર મુંબઈ માત્ર 109 મિનિટમાં પહોંચાડીને ટેક્સી ડ્રાઈવરને સફળતાપૂર્વક ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું હતું.

ગત મંગળવારે કતારગામમાં 53 વર્ષના રત્નકલાકાર રમેશભાઈ ધોરાજીયાને બ્રેઈન

ડ્રોઈક આવ્યો હતો. સારવાર બાદ છેવટે તેમને બ્રેઈનડેડ જાહેર કરવામાં આવ્યા હતા. ડોનેટ લાઈફની ટીમે તેમના પરિવારજનોને અંગોનું દાન કરવા સમજાવ્યા હતાં, પરિવાર સંમત થતાં રમેશભાઈની હૃદય, કિડની, આંખો અને લિવરનું દાન આપીને છ વ્યક્તિને નવજીવન આપ્યું હતું. રમેશભાઈના દાન કરાયેલા હૃદયને ગ્રીન કોરિડોર બનાવીને મુંબઈ મોકલાયું હતું. ત્યાં ગ્લોબલ હોસ્પિટલમાં હૃદયનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ અંધેરીના રહેવાસી 42 વર્ષના મોઈનુદિન શેખમાં કરાયું હતું. ડોનેટ લાઈફના નિલેશ માંડલેવાલાનું કહેવું હતું કે, સુરતમાંથી આ 16મું હૃદય દાન થયું છે. આ રીતે અંગદાન કરીને સુરતવાસીઓ સાચા અર્થમાં દિલદાર સાબિત થયાં છે.

સીમાડાના રત્નકલાકારનું હાર્ટ મુંબઈના ટેક્ષી ડ્રાઈવરની જિંદગીની ગાડી દોડાવશે

વર્લ્ડ 'હાર્ટ ડે'ના દિવસે સુરતના વધુ એક પરિવારની દરિયાદિલી...

- » અમરેલીના વતની બેઈનડેડ રત્નકલાકારના હાર્ટ, કિડની, લિવર અને ચક્ષુદાનથી છ જણાને નવજીવન મળ્યું
- » સુરતમાંથી ૧૬મા હાર્ટનું દાન, ૧૦૭ મિનિટમાં ૨૬૯ કિમીનું અંતર કાપી મુંબઈમાં હાર્ટ ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું

સુરત, તા. ૨૯

વર્લ્ડ 'હાર્ટ ડે'ના દિવસે અમરેલીના બેઈનડેડ રત્નકલાકારના હાર્ટના દાન સાથે સુરતની દરિયાદિલી જોવા મળી હતી. ૧૦૭ મિનિટમાં ૨૬૯ કિમીનું અંતર કાપી મુંબઈના ટેક્ષી ડ્રાઈવરમાં સીમાડાના રત્નકલાકારનું હાર્ટ ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવા સાથે સુરતમાંથી આ ૧૬મા હાર્ટનું દાન કરાયું હતું. બેઈનડેડ રત્નકલાકારના પરિવારે દાખલેલી જાગૃતિને પગલે હાર્ટની સાથે

કિડની, લિવર અને ચક્ષુઓનું દાન કરાતા છ જણાને નવજીવન મળ્યું છે.

અમરેલી, મોટા લીલિયાના હરીપરગામના વતની રમેશભાઈ ગોખરભાઈ પોરાજીયા (ઉ. વ. ૫૩) પરિવાર સાથે સીમગ્રામમાં આવેલી વ્રજભુમિ ટાઈનશિપમાં રહેતા હતા. કનારગામમાં આવેલી ડાયમંડ ફેક્ટરીમાં રત્નકલાકાર તરીકે નોકરી કરતા રમેશભાઈને ગત તા. ૨૬મીએ ફેક્ટરીમાં ચક્કર આવવા સાથે ઊલટીએ થઈ હતી. ત્યારબાદ તેમને તાત્કાલિક સારવાર માટે હોસ્પિટલમાં ખસેડવા હતા. તબીબી સારવાર દરમિયાન તેમને બેઈન હેમરેજ થયાનું નિદાન થયું હતું. ત્યારબાદ ગઈકાલે તબીબી ટીમે તેમને બેઈનડેડ ઘોષિત કર્યા હતા. આ ખાબતે હોસ્પિટલમાંથી ડોનેટ હાર્ટકના સભ્યોને જાણ કરાઈ હતી. ત્યારબાદ પ્રમુખ નિલેશ માંડલેવાલા સહિતના સભ્યોએ બેઈનડેડ રમેશભાઈના પરિવારને અંગદાનનું મહત્ત્વ સમજાવ્યું હતું. પરિવાર તેમના અંગોનું દાન કરવા સહમત થતા છ જણાને નવજીવન મળ્યું શક્ય બન્યું હતું.

મોઈનુદીનના હાર્ટની કાર્યક્ષમતા ફક્ત ૧૦થી ૧૫ ટકા હતી

ડોનેટ હાર્ટકના પ્રમુખ નિલેશ માંડલેવાલાએ જણાવ્યું હતું કે, કિડની અને લિવરનું દાન અમદાવાદની આઈકેઆરડીસીના તબીબોએ સ્વીકાર્યું છે. જ્યારે આંખોનું દાન લોકદ્રષ્ટી સલુબેંડના ડો. પ્રફુલ શિરોયાએ સ્વીકાર્યું છે. હાર્ટ મુંબઈના ટેક્ષી ડ્રાઈવર મોઈનુદીન શેખમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું છે. હાર્ટની બીમારીથી પીડાતા મોઈનુદીનને ન્યાસ લેવામાં તકલીફ હતી. તેના હાર્ટની કાર્યક્ષમતા ૧૦થી ૧૫ ટકા જેટલી હતી. છેલ્લા એક મહિનાથી હોસ્પિટલમાં તેનું ફ્લોઅપ ચાલી રહ્યું હતું. છેલ્લા બે દિવસથી મોઈનુદીન હોસ્પિટલમાં દાખલ હતો. સુસ્ત અને દક્ષિણ ગુજરાતમાંથી અત્યાર સુધીમાં બેઈનડેડ વ્યક્તિના પરિવારને સમજણ આપી પરંતુ લોકોને નવજીવન અને નવી રોશની આપવામાં આવી છે.